प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम

पढ़ना-लिखना सीखने का अर्थ वर्णों की आकृतियों को पहचानना भर नहीं है और न ही उन आकृतियों की नकल करते हुए उन्हें उतारना है। शोध यह बताते हैं कि पढ़ना और लिखना स्वयं में अर्थपूर्ण रचनात्मक प्रक्रिया हैं। वे केवल यांत्रिक कौशल भर नहीं हैं। बच्चों को शाला से बाहर और शाला के भीतर भाषा और साक्षरता का प्रयोग करने के वैविध्यपूर्ण एवं सार्थक अवसरों से लाभ होता है। उनकी साक्षरता का विकास करने के लिए उपयुक्त परिवेश तथा सहयोग उपलब्ध कराना आवश्यक है। जिसके लिए यह समझ बनना ज़रूरी है कि बच्चे किस तरह पढ़ना-लिखना सीखते हैं। जब बच्चे औपचारिक शिक्षा के शुरुआती वर्षों में प्रवेश करते हैं तो उन्हें एक ऐसे कक्षा-कक्ष की आवश्यकता होती है जो उन्हें विविध उद्देश्यों के लिए पढ़ने, बातचीत करने और लिखने के वैविध्यपूर्ण अवसर उपलब्ध कराता है। शाला में आने के एक वर्ष के भीतर प्रत्येक बच्चे को प्रिंट या लिखत की रोचक दुनिया की दिशा में समुचित मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

इस दिशा में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने 2007 में रीडिंग डेवलेपमेंट सेल की स्थापना की। सेल का निर्माण, शुरुआती वर्षों में पढ़ने और लिखने के शिक्षा-शास्त्र पर देशभर के शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, विद्यालय–प्रबंधकों, नीति-निर्माताओं और पाठ्यचर्या का विकास करने वालों का ध्यान आकर्षित करने के संदर्भ में एक सार्थक एवं महत्वपूर्ण प्रयास है। सेल अब प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम के नाम से जाना जाता है। यह कार्यक्रम न केवल पढ़ने-लिखने की प्रचलित अवधारणा पर प्रश्न–चिह्न लगाता है बल्कि यह वह परिप्रेक्ष्य भी प्रस्तुत करता है जो बच्चों को पढ़ने-लिखने के लिए सहज और अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराने पर बल देता है। इस दृष्टिकोण के अनुसार बच्चों को कक्षा में केवल पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है बल्कि कक्षा में बाल साहित्य का सार्थक प्रयोग भी आवश्यक है। प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों के उद्देश्य इस प्रकार हैं :

प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम के उद्देश्य

* प्रारंभिक साक्षरता को सरोकार के रुप में पहचान दिलवाना ।
* शुरुआती वर्षों में पढ़ने-लिखने के शिक्षा-शास्त्र पर संवाद को बढ़ावा देना।
* प्रारंभिक साक्षरता के संबंध में कक्षा 1 और 2 के बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता का विकास करना।
* शुरुआती वर्षों मे पढ़ने-लिखने के शिक्षा-शास्त्र के बारे में शिक्षकों को शिक्षित और सूचित करना।

इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अनेक गतिविधियों की योजना बनाई गई और उन्हें क्रियान्वित किया गया। प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम की सबसे पहली और प्रमुख गतिविधि थी- मथुरा पायलेट परियोजना। मथुरा में पाँच साल चली। परियोजना से प्राप्त अंतर्दृष्टि और अनुभव प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों को करने में भी दिशा प्रदान करते रहे हैं।

मथुरा पायलेट परियोजना

शुरुआती पढ़ना-लिखना के सैद्धांतिक शिक्षा-शास्त्र का परीक्षण करने के लिए प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम ने उत्तर प्रदेश के मथुरा ज़िले को चुना। परियोजना के तहत मथुरा ज़िले के पाँच ब्लॉक के पाँच सौ से अधिक विद्यालयों का चयन किया। इन विद्यालयों के कक्षा 1 और 2 के बच्चे एवं शिक्षक शामिल थे। शिक्षकों के गहन प्रशिक्षण से परियोजना का प्रारंभ हुआ। कक्षाएँ चित्रों एवं किताबों के बारे में बातचीत करने, अपने अनुभवों को साझा करने, चित्र बनाने, आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचने, पढ़ने और लिखने के भरपूर अवसरों की उपलब्धता के रूप में रूपांतरित हुई। कक्षा 1 और 2 के कक्षों में पढ़ने का कोना बनाया गया। परियोजना के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों को समझने और भविष्य की योजना बनाने के लिए इसकी मॉनीटरिंग की गई। परियोजना 2007 से 2012 तक चली। एडं – *टर्म सर्वे* और परियोजना की समीक्षा संबंधी प्रतिवेदन तैयार किए गए।

शिक्षकों के लिए सामग्री

पढ़ने और लिखने की प्रक्रियाओं की बेहतर समझ बनाने के लिए शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री का विकास किया गया। इस सामग्री में संदर्शिकाएँ, लेखों के संकलन और पोस्टर शामिल है।

संदर्शिकाएँ: यह पढ़ने-लिखने के शिक्षा- शास्त्रीय पक्षों के बारे में समझ बनाने पर बल देती हैं। साथ ही प्रारंभिक साक्षरता पर आयोजित किए जाने वाले शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देश भी प्रदान करती हैं।

पढ़ने पर संदर्शिका – *पढ़ने की समझ*

लेखन पर संदर्शिका – *लिखने की शुरुआत : एक संवाद*

लेखों के संकलन: इन संकलनों में वे लेख शामिल हैं जो भारतीय संदर्भों में पढ़ने-लिखने के मुद्दों को उजागर करते हैं। इनमें उन लेखों और पर्चों का भी संकलन है जो पठन के क्षेत्र में शास्त्रीय माने जाते हैं।

* *रीडिंग फॉर मीनिंग*
* *पढ़ने की दहलीज़ पर*
* *पढ़ना सिखाने की शुरुआत*

पोस्टर: शुरुआती पढ़ना-लिखना की अवधारणाओं और मान्यताओं पर आधारित पाँच पोस्टर बनाए गए हैं। कार्यशालाओं में शिक्षकों के साथ चर्चा करने के लिए पोस्टरों का उपयोग किया जा सकता है।

वीडियो कार्यक्रम: प्रारंभिक साक्षरता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वीडियो कार्यक्रम के शीर्षक इस प्रकार हैं:

* *आज की बात*
* *कहानी और पढ़ने- लिखने के अवसर*
* *कविता और पढ़ने-लिखने के अवसर*

यह कार्यक्रम वास्तविक कक्षायी प्रक्रियाओं पर आधारित हैं और चर्चा को शुरू करने के लिए रोचक बिंदु प्रस्तुत करते हैं।

बच्चों के लिए सामग्री

बाल पत्रिका *फिरकी बच्चों की* : बाल पत्रिका उपयुक्त, आयु के अनुरूप और सांस्कृतिक रूप से परिचित सामग्री के माध्यम से बच्चों को हिंदी और अंग्रेज़ी में पढ़ने के अवसर उपलब्ध कराती है।

क्रमिक पुस्तकमाला *बरखा* : बच्चों के रोज़मर्रा के अनुभवों से जुड़ी विषय-वस्तु के आधार पर क्रमिक पुस्तक माला का विकास किया गया है। इसके माध्यम से कहानियाँ पढ़ते समय अनुमान लगाने के भरपूर अवसर प्रदान किए गए हैं।

चयनित बाल साहित्य: कक्षा 1 और 2 के बच्चों के लिए हिंदी, अंग्रेज़ी एवं उर्दू में बाल साहित्य की समीक्षा की गई और चयनित शीर्षकों की सूची बनाई गई। 2007-08, 2012-13, 2014-15 की सूचियाँ उपलब्ध हैं।

बच्चों के लिए कहानियों और कविताओं के पोस्टर: कक्षा-कक्षों, पुस्तकालयों अथवा घरों में इन पोस्टरों का उपयोग किया जा सकता है। यह पोस्टर प्रिंट-समृद्ध वातावरण बनाते हुए बच्चों को पढ़ने के अवसर देते हैं।

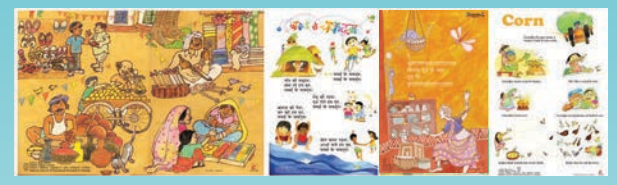

राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को सहयोग

प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य है - प्रारंभिक साक्षरता के बारे में जागरूकता का विकास करना। साथ ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन संबंधी उनके प्रयास में सहयोग करना। यह शुरुआती वर्षों में पढ़ने-लिखने पर किए जाने वाले संवाद में पूरे देश को शामिल करने के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम शिक्षकों, प्रशासकों तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करता है। यह शिक्षकों और बच्चों के लिए सामग्री का निर्माण करने में भी सहयोग करता है।

पढ़ना है समझना

प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम संबंधी सामग्री नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध है :

http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/Print_Material.html

और अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें – www.ncert.nic.in

प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
गोविंद बल्लभ पंत ब्लॉक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधन और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी)
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली – 110016
दूरभाष/ फ़ैक्स – 91-11-26863735, 26863104
ईमेल – readingcell.ncert@gmail.com

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
पढ़े भारत बढ़े भारत

प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING